

# 最佳心理描寫詞典

錢龍 倪文杰 主編

中国国际广播出版社

最佳心理描寫詞典

錢巍 倪文杰 主編



中国国际广播出版社

**最佳心理描写词典**

钱 魏 倪文杰 主编

\* \* \*

中国国际广播出版社出版

(北京复外大街广播电影电视部内)

■ 新华书店总店北京发行所发行

农业出版社印刷厂印刷

开本 787×1092 毫米 1/32 印张: 19.5 字数: 600 千字  
1988年3月北京第1版 1988年3月北京第1次印刷

印数: 1—100,000册

\* \* \*

ISBN 7-80035-070-3/B·5

定价: 5.25元

SP67.19

## 《最佳心理描写词典》

**主 编:** 钱 巍 倪文杰

**副主编:** 李清云 赵 宏 陆 健 陈子影

**编 辑** (按姓氏笔画为序):

|     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|
| 万淑珍 | 王秋萍 | 冯荣光 | 刘荣仕 |
| 刘清德 | 刘素萍 | 吕小榕 | 汪 澄 |
| 李 力 | 李清云 | 李本刚 | 李维一 |
| 陆 健 | 陈子影 | 杨解非 | 周丽君 |
| 周靖波 | 罗尤力 | 赵 宏 | 高惠然 |
| 倪文杰 | 钱 巍 | 郭秋敏 | 黄 川 |
| 崔智友 | 谢 筠 | 曾 宁 | 曾 亚 |

# 序

近年来，工具书出版的种类和数量都相当可观，而从需求状况来看，这类书往往供不应求，深受使用者的欢迎。这种现象与社会主义两个文明建设的大背景联系起来看，显然是很有意义并使人深感可喜的。

曾听到有的同志说：“现在的‘词典’未免太多了，出现了一些不成其为词典的‘词典’。”从词典的传统意义上说，这话是有道理的。但若进一步了解使用者为什么争着去买这种“不成其为词典的‘词典’”，甚至再进一步了解一下他们是怎样使用这些“词典”的，那就不难发现，不是这些“词典”不成其为词典，而是有关词典的性质与用途，在现代的新形势下，已有了变化和发展。

现在是信息时代，不仅信息量大，而且信息的处理与加工方式也变化多端。为了提高工作和学习的效率，自然需要各种各样的信息检索工具；同时检索的内容也必然由较为简单而趋于较为复杂，由层次较少而变为层次较多，由几个固定的角度变为多种角度，这样才能适应当前越来越多样化的知识使用和文化创造的需要。因此，有些本来难以编为工具书的内容，也要想方设法使之集约化，变为工具书；目的则是为需要找到这些内容的读者提供方便，节省他们的时间，并减少搜集之劳。

在信息时代，人们常说的治学方法也正在发生变化。当然，传统治学方法中的合理因素是应该继承的。比如前人重视博闻强记，强调熟读以至背诵，这一条就不能轻易抛弃。一个人总要尽可能多地记住各种基本知识，才有利于做好工

作并有所创造；假如脑子里什么都不记，事事都要靠查书，现查现用，那显然是行不通的。但是反过来说，如果一切知识与信息都要靠记住背熟才能够使用，那也必然会影响学习与创造的广度与深度。因为不管生理学家把大脑的记忆功能说得多么神乎其神，事实上人们能够记住的东西，相对于无限的知识与信息来说，总是微乎其微的。所以即使在古代，做学问也是离不开寻找线索、查书用书的；而在现代，这部分工作在学习与创造中所占的比重更是越来越大，而这也就是各种新颖工具书的出现以及它们受到读者欢迎的原因。

具体说到钱巍、倪文杰主编的这部《最佳心理描写词典》，它的编纂显然是颇下工夫和具有新意的。在材料搜选上取精用宏，固是工程浩大；而为了使这些材料得到集约整装，竟把它们分为 185 类（大类之下还有小类），可见辨析是相当精微的。这样一部工具书肯定有较为广泛的用途。例如文艺研究者可以利用这部词典，分别从文艺理论、美学、文艺心理学等角度来研究作品中的心理描写；文学史与文学流派的研究者可以利用这部词典所提供的材料来观察古典作品与现代作品在心理描写上的变化，比较各个流派在心理描写上的异同。文艺创作者则可以从这部词典看到有关人物心理描写的种种方法与经验，作为创作的借鉴。对于广大的文艺欣赏者来说，这部词典也有一定的可读性。因为它所包含的大量心理描写有助于读者去认识人的精神世界，得到艺术享受；其中有些描写还可能使读者产生通读原著的兴趣。另外，这部词典的用途还不一定限于文艺研究、文艺创作与文艺欣赏，它也可能为哲学、伦理学、社会学、心理学、语言学等研究工作提供有用的资料。

金开诚

## 前　　言

《最佳心理描写词典》精选、汇集了古今中外文学作品中脍炙人口的心理描写片断，如《红楼梦》中宝玉失玉后黛玉的忽悲忽喜，《安娜·卡列尼娜》中安娜自杀前的激愤心情，《可怜的丽莎》中丽莎在发现自己被爱后的喜悦和不安，《奥瑟罗》中奥瑟罗的病态的嫉妒，《罪与罚》中大学生拉思科里涅珂夫杀人后的极端恐惧和紧张，《钢铁是怎样炼成的》中保尔被炮弹炸伤昏迷后的奇异的幻觉等。这些片断，选自不同时期、不同国家和地区、不同流派的文学名著。这样，读者可以在同一条目（即一种心理描写）下，看到风格各异、瑰丽多彩的人类内心世界的展示，从而为作家提供多种借鉴，为学者提供丰富资料，为读者提供真切的艺术享受。

本《词典》共分两大部分。第一部分为单一心理描写，86类，248种。这是全书的重点，所收多为常见的心理活动和状态。第二部分为复杂心理描写，包括两种心理交集、三种心理交集和四种心理交集，共99类。复杂心理实际上是多种心理的组合，故简略介绍一些，不必要、也不可能全部收入。这样，全书共185类，60多万字。

为了使读者阅读方便，我们在每个心理描写片断前加了背景介绍。书后附有笔画索引，以备查找。

本书由著名学者钱钟书先生题签，金开诚教授作序，谨致谢意。

在编辑、出版过程中，承蒙中国国际广播出版社和农业出版社印刷厂大力协助，在此一并致谢！

由于水平所限，本书缺点在所难免，欢迎读者批评指正。

编 者

1987年8月4日

# 目 录

|        |    |        |    |
|--------|----|--------|----|
| 一 快乐   | 1  | 2 忧戚   | 28 |
| 1 愉快   | 1  | 六 自慰   | 30 |
| 2 开心   | 2  | 七 满意   | 31 |
| 3 兴奋   | 3  | 1 满意   | 31 |
| 4 乐滋滋  | 5  | 2 惬意   | 33 |
| 5 喜悦   | 6  | 3 满足   | 35 |
| 6 畅快   | 7  | 八 不满   | 35 |
| 7 痛快   | 8  | 1 遗憾   | 35 |
| 8 销魂   | 9  | 2 不满   | 36 |
| 9 狂喜   | 11 | 3 怨忿   | 38 |
| 二 悲伤   | 12 | 九 空虚   | 39 |
| 1 难过   | 12 | 一〇 寂寞  | 41 |
| 2 痛苦   | 13 | 一一 烦闷  | 44 |
| 3 沉痛   | 14 | 1 烦心   | 44 |
| 4 惨痛   | 16 | 2 烦闷   | 45 |
| 三 得意   | 18 | 3 郁闷   | 46 |
| 1 沾沾自喜 | 18 | 4 憋闷   | 48 |
| 2 自鸣得意 | 20 | 一二 惆怅  | 50 |
| 3 飘飘然  | 22 | 1 失意   | 50 |
| 四 自信   | 24 | 2 惆怅   | 51 |
| 1 自信   | 24 | 一三 丧气  | 54 |
| 2 踌躇满志 | 25 | 1 扫兴   | 54 |
| 五 忧愁   | 26 | 2 失望   | 55 |
| 1 发愁   | 26 | 3 灰心丧气 | 60 |

|        |    |         |     |
|--------|----|---------|-----|
| 4 沮丧   | 62 | 8 眷恋    | 98  |
| 5 消沉   | 64 | 9 贪爱    | 99  |
| 6 颓丧   | 65 | 10 狂爱   | 100 |
| 7 绝望   | 67 | 11 初恋   | 104 |
| 一四 愤怒  | 72 | 12 一见钟情 | 106 |
| 1 生气   | 72 | 13 动情   | 106 |
| 2 幽愤   | 73 | 14 怀春   | 110 |
| 3 怒冲冲  | 73 | 15 单相思  | 113 |
| 4 盛怒   | 75 | 16 追恋   | 114 |
| 5 怒不可遏 | 76 | 17 失恋   | 115 |
| 一五 仇恨  | 77 | 二〇 自怜   | 117 |
| 1 仇恨   | 77 | 二一 羡慕   | 120 |
| 2 怨毒   | 78 | 1 羡慕    | 120 |
| 3 痛恨   | 79 | 2 艳羡    | 121 |
| 一六 讨厌  | 80 | 二二 尊崇   | 122 |
| 1 讨厌   | 80 | 1 钦佩    | 122 |
| 2 腻味   | 80 | 2 崇拜    | 123 |
| 3 嫌恶   | 82 | 二三 巴结   | 124 |
| 一七 厌倦  | 82 | 二四 嫉妒   | 125 |
| 一八 喜欢  | 83 | 1 酸溜溜   | 125 |
| 一九 爱   | 84 | 2 妒忌    | 126 |
| 1 心爱   | 84 | 3 妒火中烧  | 130 |
| 2 慈爱   | 85 | 二五 不服   | 131 |
| 3 惠爱   | 87 | 二六 蔑视   | 132 |
| 4 偏爱   | 87 | 1 蔑视    | 132 |
| 5 怜爱   | 89 | 2 鄙视    | 134 |
| 6 爱慕   | 91 | 二七 自卑   | 135 |
| 7 爱恋   | 96 | 1 自嘲    | 135 |

|              |            |              |            |
|--------------|------------|--------------|------------|
| 2 自慚形秽       | 136        | 2 三心二意       | 175        |
| <b>二八 安然</b> | <b>138</b> | <b>三七 专注</b> | <b>179</b> |
| 1 心安         | 138        | 1 留意         | 179        |
| 2 塌心         | 138        | 2 凝视         | 180        |
| 3 坦然         | 139        | 3 凝神         | 180        |
| 4 安宁         | 140        | 4 专心致志       | 182        |
| <b>二九 不安</b> | <b>142</b> | <b>三八 分心</b> | <b>185</b> |
| <b>三〇 紧张</b> | <b>145</b> | 1 分心         | 185        |
| <b>三一 着急</b> | <b>148</b> | 2 心猿意马       | 186        |
| 1 着急         | 148        | <b>三九 警惕</b> | <b>187</b> |
| 2 急切         | 149        | 1 小心         | 187        |
| 3 心急火燎       | 150        | 2 警惕         | 188        |
| <b>三二 激动</b> | <b>151</b> | 3 警醒         | 189        |
| 1 激动         | 151        | <b>四〇 放心</b> | <b>190</b> |
| 2 冲动         | 153        | <b>四一 担心</b> | <b>192</b> |
| 3 亢奋         | 154        | 1 担心         | 192        |
| <b>三三 镇静</b> | <b>156</b> | 2 揪心         | 195        |
| 1 镇定         | 156        | <b>四二 顾虑</b> | <b>196</b> |
| 2 沉静         | 157        | <b>四三 体味</b> | <b>197</b> |
| <b>三四 慌张</b> | <b>158</b> | 1 体味         | 197        |
| 1 发慌         | 158        | 2 回味         | 198        |
| 2 慌乱         | 159        | <b>四四 相信</b> | <b>198</b> |
| <b>三五 决意</b> | <b>162</b> | <b>四五 不信</b> | <b>199</b> |
| 1 决定         | 162        | <b>四六 怀疑</b> | <b>200</b> |
| 2 决意         | 165        | 1 起疑         | 200        |
| 3 横心         | 168        | 2 多疑         | 203        |
| <b>三六 犹豫</b> | <b>170</b> | <b>四七 醒悟</b> | <b>204</b> |
| 1 犹豫         | 170        | <b>四八 陶醉</b> | <b>207</b> |

|              |            |              |            |
|--------------|------------|--------------|------------|
| 1 陶醉         | 207        | 五七 怜悯        | 246        |
| 2 沉醉         | 209        | 1 同情         | 246        |
| <b>四九 痴迷</b> | <b>212</b> | 2 怜悯         | 248        |
| 1 依恋         | 212        | <b>五八 珍惜</b> | <b>249</b> |
| 2 痴迷         | 213        | 1 爱惜         | 249        |
| 3 迷乱         | 216        | 2 珍惜         | 249        |
| <b>五〇 克制</b> | <b>216</b> | 3 奢惜         | 250        |
| 1 忍耐         | 216        | <b>五九 懊惜</b> | <b>251</b> |
| 2 克制         | 217        | 1 懊惜         | 251        |
| 3 隐忍         | 219        | 2 心疼         | 252        |
| <b>五一 难耐</b> | <b>221</b> | <b>六〇 害羞</b> | <b>252</b> |
| 1 难耐         | 221        | <b>六一 惭愧</b> | <b>253</b> |
| 2 不由自主       | 223        | 1 惭愧         | 253        |
| <b>五二 为难</b> | <b>223</b> | 2 愧疚         | 255        |
| <b>五三 无奈</b> | <b>224</b> | <b>六二 后悔</b> | <b>258</b> |
| <b>五四 害怕</b> | <b>226</b> | 1 后悔         | 258        |
| 1 害怕         | 226        | 2 痛悔         | 261        |
| 2 恐惧         | 230        | <b>六三 心虚</b> | <b>263</b> |
| 3 心悸         | 233        | <b>六四 亏心</b> | <b>265</b> |
| 4 魂飞魄散       | 237        | <b>六五 反省</b> | <b>266</b> |
| <b>五五 惊讶</b> | <b>239</b> | 1 自问         | 266        |
| 1 吃惊         | 239        | 2 内省         | 269        |
| 2 震惊         | 240        | 3 三省         | 270        |
| 3 骇然         | 241        | <b>六六 抱怨</b> | <b>272</b> |
| <b>五六 关心</b> | <b>241</b> | 1 埋怨         | 272        |
| 1 关切         | 241        | 2 幽怨         | 273        |
| 2 体贴         | 242        | <b>六七 受屈</b> | <b>276</b> |
| 3 体谅         | 244        | <b>六八 责怪</b> | <b>277</b> |

|              |            |              |            |
|--------------|------------|--------------|------------|
| 1 责备         | 277        | 8 玄想         | 336        |
| 2 自责         | 279        | 9 冥想         | 338        |
| <b>六九 感动</b> | <b>281</b> | 10 胡思乱想      | 340        |
| 1 感动         | 281        | <b>七四 幻梦</b> | <b>343</b> |
| 2 样触         | 282        | 1 梦幻         | 343        |
| <b>七〇 感觉</b> | <b>285</b> | 2 梦思         | 345        |
| 1 感觉         | 285        | 3 梦觉         | 347        |
| 2 偶感         | 287        | 4 恶梦         | 348        |
| 3 幻觉         | 287        | 5 春梦         | 355        |
| 4 神经错乱       | 295        | 6 美梦         | 358        |
| 5 神情恍惚       | 302        | <b>七五 回忆</b> | <b>360</b> |
| 6 麻木         | 304        | <b>七六 怀念</b> | <b>367</b> |
| 7 错觉         | 305        | 1 思念         | 367        |
| 8 病觉         | 305        | 2 惦念         | 367        |
| <b>七一 伤感</b> | <b>308</b> | 3 牵念         | 368        |
| <b>七二 茫然</b> | <b>311</b> | 4 眷念         | 369        |
| 1 不解         | 311        | 5 驰念         | 370        |
| 2 发蒙         | 313        | 6 追念         | 370        |
| 3 茫然         | 315        | 7 遥念         | 373        |
| 4 大惑不解       | 316        | 8 渴念         | 374        |
| <b>七三 想象</b> | <b>318</b> | 9 痛念         | 376        |
| 1 设想         | 318        | 10 深念        | 379        |
| 2 联想         | 321        | 11 怀念        | 380        |
| 3 想象         | 324        | 12 怀乡        | 381        |
| 4 遥想         | 327        | 13 怀旧        | 382        |
| 5 幻想         | 328        | 14 怀友        | 383        |
| 6 畅想         | 331        | 15 悼念        | 384        |
| 7 遐想         | 333        | 16 思亲        | 386        |

|              |     |              |     |
|--------------|-----|--------------|-----|
| <b>七七 思量</b> | 389 | <b>5 奢望</b>  | 438 |
| 1 思虑         | 389 | 八五 愿意        | 439 |
| 2 驰思         | 392 | 八六 欲念        | 440 |
| 3 沉思         | 394 | 1 生之欲望       | 440 |
| 4 熟思         | 398 | 2 邪欲         | 442 |
| 5 幽思         | 401 | 3 淫欲         | 446 |
| 6 诗思         | 403 | 4 软火中烧       | 449 |
| 7 竭虑         | 404 | <b>八七 悲喜</b> | 451 |
| <b>七八 转念</b> | 407 | 1 悲喜交集       | 451 |
| <b>七九 权衡</b> | 408 | 2 忽悲忽喜       | 452 |
| <b>八〇 推测</b> | 412 | 3 转悲为喜       | 453 |
| 1 推测         | 412 | 4 由喜而悲       | 454 |
| 2 推断         | 414 | <b>八八 悲愁</b> | 455 |
| 3 腮测         | 415 | <b>八九 悲凉</b> | 455 |
| 4 腮断         | 416 | <b>九〇 悲愤</b> | 456 |
| <b>八一 猜度</b> | 416 | <b>九一 悲酸</b> | 459 |
| 1 预想         | 416 | <b>九二 悲悔</b> | 462 |
| 2 猜度         | 416 | <b>九三 爱恨</b> | 462 |
| 3 悬揣         | 421 | 1 又爱又恨       | 462 |
| <b>八二 谋划</b> | 423 | 2 时爱时恨       | 465 |
| 1 筹划         | 423 | 3 由爱转恨       | 468 |
| 2 谋虑         | 425 | <b>九四 爱惧</b> | 469 |
| <b>八三 憧憬</b> | 427 | <b>九五 恋慕</b> | 470 |
| <b>八四 企望</b> | 428 | <b>九六 怀慕</b> | 472 |
| 1 期望         | 428 | <b>九七 思恋</b> | 475 |
| 2 瞩望         | 431 | <b>九八 信疑</b> | 476 |
| 3 渴望         | 433 | 1 疑信参半       | 476 |
| 4 悬望         | 437 | 2 时信时疑       | 476 |

|     |       |     |     |       |     |
|-----|-------|-----|-----|-------|-----|
| 九九  | 喜怒……… | 477 | 一二七 | 羞恨……… | 516 |
| 一〇〇 | 喜忧……… | 478 | 一二八 | 羞恶……… | 518 |
| 一〇一 | 惊喜……… | 480 | 一二九 | 懊恨……… | 519 |
| 一〇二 | 惊羡……… | 481 | 一三〇 | 懊悔……… | 520 |
| 一〇三 | 惊惧……… | 482 | 一三一 | 悔恨……… | 522 |
| 一〇四 | 惊愧……… | 484 | 一三二 | 愤恨……… | 525 |
| 一〇五 | 忧闷……… | 485 | 一三三 | 憎厌……… | 525 |
| 一〇六 | 忧烦……… | 486 | 一三四 | 嫌憎……… | 529 |
| 一〇七 | 忧虑……… | 488 | 一三五 | 疑虑……… | 530 |
| 一〇八 | 忧惧……… | 491 | 一三六 | 疑惧……… | 532 |
| 一〇九 | 忧煎……… | 492 | 一三七 | 疑妒……… | 534 |
| 一一〇 | 忧愧……… | 494 | 一三八 | 犹疑……… | 536 |
| 一一一 | 哀怨……… | 495 | 一三九 | 戒忌……… | 537 |
| 一一二 | 哀怜……… | 496 | 一四〇 | 戒惧……… | 538 |
| 一一三 | 愁思……… | 497 | 一四一 | 烦躁……… | 540 |
| 一一四 | 愁苦……… | 499 | 一四二 | 烦愧……… | 543 |
| 一一五 | 凄惘……… | 501 | 一四三 | 烦恼……… | 544 |
| 一一六 | 怨怒……… | 502 | 一四四 | 焦虑……… | 546 |
| 一一七 | 怨恨……… | 503 | 一四五 | 激奋……… | 546 |
| 一一八 | 苦闷……… | 506 | 一四六 | 激愤……… | 549 |
| 一一九 | 恐慌……… | 507 | 一四七 | 痛惜……… | 551 |
| 一二〇 | 慌急……… | 508 | 一四八 | 感悟……… | 552 |
| 一二一 | 惶惑……… | 509 | 一四九 | 感怀……… | 557 |
| 一二二 | 惶恐……… | 511 | 一五〇 | 感慨……… | 558 |
| 一二三 | 愧恨……… | 512 | 一五一 | 辛酸……… | 559 |
| 一二四 | 愧悔……… | 513 | 一五二 | 嫉恨……… | 559 |
| 一二五 | 愧痛……… | 514 | 一五三 | 忌羨……… | 560 |
| 一二六 | 羞愧……… | 515 | 一五四 | 怅恨……… | 561 |

|     |        |     |     |        |     |
|-----|--------|-----|-----|--------|-----|
| 一五五 | 叹惋………  | 562 | 一七一 | 爱恨怕……… | 583 |
| 一五六 | 欣慰………  | 563 | 一七二 | 喜忧急……… | 583 |
| 一五七 | 猜忌………  | 564 | 一七三 | 羞妒恨……… | 584 |
| 一五八 | 猜惧………  | 565 | 一七四 | 羞忧慌……… | 585 |
| 一五九 | 闲愁………  | 565 | 一七五 | 愧悔悲……… | 586 |
| 一六〇 | 闲怒………  | 566 | 一七六 | 惊喜悲叹…… | 587 |
| 一六一 | 闷怒………  | 567 | 一七七 | 惊喜疑惧…… | 587 |
| 一六二 | 恼怒………  | 570 | 一七八 | 惊疑惧悲…… | 588 |
| 一六三 | 惊喜忧……… | 571 | 一七九 | 惊慌愧悔…… | 589 |
| 一六四 | 惊喜怕……… | 573 | 一八〇 | 惊怕恶羞…… | 591 |
| 一六五 | 惊喜慌……… | 576 | 一八一 | 忧怨烦恨…… | 593 |
| 一六六 | 惊喜愧……… | 577 | 一八二 | 烦愧怒急…… | 595 |
| 一六七 | 惊恐怒……… | 578 | 一八三 | 悲喜愧惧…… | 595 |
| 一六八 | 爱妒恨……… | 579 | 一八四 | 悲恨爱悔…… | 596 |
| 一六九 | 爱疑愧……… | 581 | 一八五 | 爱疑妒恨…… | 598 |
| 一七〇 | 爱悔急……… | 582 |     |        |     |

# 一 快 乐

## 1 【愉快】

A. (美丽的盲女蒂和丑陋的“笑面人”关伯伦一同在穷“哲学家”窝苏斯编写的戏剧中扮演重要角色。观众的热烈情绪感染了蒂。)

至于蒂心里的感觉，那就不是人类的言语所能形容的了。她觉得她是立在一群人中间，可是她不知道什么叫做人群。她只不过听到一片嗡嗡的人声，如此而已。对她来说，一群人好比一阵风，实际上也只能是这样。……在这群人中间，蒂觉得自己是孤单单的一个人，好象站在悬崖上似的，不住地打寒战。在她象一个将要陷入不幸的无辜者一样，控告上苍，为了可能坠入深渊而心中愤懑，虽然外表保持宁静的神气，而内心里却为了自己的孤独惴惴不安的时候，她突然间找到了寄托。好象在无边的黑暗里突然找到了一根救命绳似的，她把自己的手放在关伯伦有力的头上。多么快乐啊！她的玫瑰色的手指按住他蓬乱的头发。一摸到他那羊毛似的头发就产生了一种温柔的感觉。蒂好象在抚摸一头绵羊，其实她知道那是一头狮子。她整个的心溶化成不可思议的爱情。她觉得自己已经脱离了危险，找到了救世主。

〔法国〕雨果《笑面人》，上海译文出版社1978年6月新1版。

B. (从国外回来的周如水，见到了自己从内心深处爱慕、思念着的女郎张若兰，心里有说不出的快乐)。

如今他却在这里见着了她，而且是同她住在一个旅馆里。以后他每天都有机会看见她，她还说过求他指教的话。

他这样想着，他觉得快乐从心底升起来，渐渐地在膨胀，使得他全身因发热而颤抖了。他静静地在躺椅上坐了一些时候。后来他实在忍耐不住，便站起来在房间里踱了一会，忽然急急走出房门，往二楼去了。

〔中国〕巴金《爱情三部曲》，见《巴金选集》第4卷第7页，四川人民出版社1982年版。